दि0 14.07.17

प्रेस विज्ञप्ति

शारदा शिक्षा समूह एवं शारदा विश्वविद्यालय तथा पावर सैक्टर स्किल काउंसिल का छात्रों के कौशल विकास हेतु एम0ओ0यू0

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर भारत की अग्रणी शैक्षिक संस्था शारदा शिक्षा समूह एवं शारदा विश्वविद्यालय तथा पावर सैक्टर स्किल काउंसिल दिल्ली के बीच उच्च तकनीकी शिक्षा इंजीनियरिंग छात्रों के कौशल विकास हेतु अनुबन्ध किया गया। प्रधानमंत्री की कौशल विकास मिशन के तहत शारदा शिक्षा समूह अपने छात्रों के कौशल विकास में कटिबद्धता रखते हुए भविष्य में अच्छे रोजगारपरक मौके प्राप्त हों इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के साथ 21 सितम्बर 2015 में एम0ओ0यू0 उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को कौशल विकास के लिए अनुबन्ध किया था उसी के तहत पावर सेक्टर स्किल काउंसिल में अपने वाले नये आयामों एवं प्रोजेक्टों में अपने छात्रों को वर्तमान तथा भविष्य में आने वाली तकनीकियों का व्यावहारिक कौशल ज्ञान देकर उन्हें रोजगार परक बनाने के लिए संकल्पित है तथा यह अनुबन्ध इसी चरण में उठाया हुआ एक ऐतिहासिक कदम है। अनुबन्ध शारदा शिक्षा समूह एवं शारदा विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार श्री अमल कुमार जी एवं पावर सैक्टर स्किल काउंसिल की ओर से श्री विनोद बिहारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, द्वारा करने में आया। इस कार्यक्रम में शारदा विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डॉ0 विजय गुप्ता, एडवाईज़र श्री आर0पी0अग्रवाल, इण्डस्ट्री इन्टरफेस विभाग के विभागाध्यक्ष श्री मुदालियार जितेन्द्र, डायरेक्टर प्लेसमेंट श्री सुदीपता चौधरी, मैकेनिकल, इलैक्ट्रॉनिक एवं इलैक्ट्रिकल विभाग के विभागाध्यक्ष एवं फैकल्टी उपस्थित थे। वर्ष 2022 तक भारत सरकार हर गांव तक बिजली पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस क्षेत्र में लगभग 15 करोड़ युवा रोज़गार बाजार में प्रवेश करेंगे और इतनी बड़ी संख्या में युवा शक्ति को ''कौशल विकास'' द्वारा कुशल बनाने की अतिमहत्वाकांक्षी चुनौती देश के सामने है। एक ओर हर स्तर पर कुशल कारीगरों और तकनीशियनों, सुपरवाइज़रों, मैनेजरों, बिज़नेस एग्ज़ीक्युटिव्स, आई.टी. व अन्य इंजीनियरिंग प्रोफेशनल्स की उद्योग एवं व्यापार संस्थाओं को बढ़ती हुई आवश्यकता है, तो दूसरी तरफ, कॉलेजों, ट्रेनिंग स्कूल आदि से निकलने वाले छात्र–छात्राओं में पर्याप्त कार्य कुशलता नहीं होने के कारण 35 - 40% ही तत्काल ''इंडस्ट्री रेडी

अर्थात एमप्लॉयेबल'' होते हैं और रोज़गार हासिल कर पाते हैं। और इससे एक विरोधाभास की स्थिति पैदा हुई है, कि, एक तरफ अधिकाधिक संख्या में डिग्री व डिप्लोमाधारी छात्र–छात्राओं की फौज खड़ी हो रही है तो दूसरी तरफ उद्योग व्यापार को पूरी प्रशिक्षित और कुशल मानव संसाधनों की कमी से जूझना पड़ रहा है। भविष्य में उद्योग और व्यापार की बढ़ती प्रतिस्पर्धा और समय की कमी के कारण ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षित लोगों की ही मांग होगी। बड़े उद्योगों को छोड़कर, छोटे और मंझले उद्योगों में लम्बी ट्रेनिंग और प्रशिक्षण देने की सामर्थ्य नहीं होने के कारण व मल्टीनेशनल कंपनियों के पास समय की कमी और तेजी से विकास करने की चुनौती होने के कारण, कॉलेजों और स्कूल से निकलने वाले छात्रों में से प्रशिक्षित और कुशल इंजीनियरों एवं प्रबंधकों तथा तकनीशियनों को ही रोज़गार में वरीयता मिलेगी। इसलिए सभी तकनीकी व प्रबंधन शिक्षण संस्थानों व आई.टी.आई. को कौशल विकास की अधिकाधिक सक्षम व्यवस्था करनी होगी। हिन्दुस्तान कॉलेज व शारदा विश्वविद्यालय एवं एस0जी0आई0 के अन्य सभी संस्थाओं में इसलिए इंजीनियरों और प्रबंधकों को कौशल विकास द्वारा इंडस्ट्री रेडी करने के लिए विषेश प्रयास किये जाते हैं और ऐसे उल्लेखनीय योगदान के लिए ग्रुप के चेयरमैन श्री पी0के0 गुप्ता, वाइस चेयरमैन श्री वाई.के. गुप्ता, अधिषासी निदेशक श्री प्रशांत गुप्ता, अधिषासी उपाध्यक्ष प्रदीप मेहथा, अधिषासी निदेशक श्री वी0के0 शर्मा तथा निदेशक श्री डॉ0 राजीव उपाध्याय, डॉ0 अनिल किशोर, डॉ0 शैलेंद्र सिंह ने सभी फैकल्टी व स्टाफ को इस उपलब्धि पर बधाई दी और आगे और भी अधिक ऊँचाईयों को हासिल करने के लिए प्रेरित किया।